









## न्यूज ब्रीफ

सोनू माथुर बने कांग्रेस

युवा के नगर अध्यक्ष

बिल्सी, अमृत विचार : जिला युवा कांग्रेस कमेटी के जिलायक्ष अकबर डंपी सकलनी ने नगर के मोहल्ला संस्था दो खीरी रोड निवासी अदिवाय माथुर उर्फ सोनू को बिल्सी नगर का अध्यक्ष मनोनीत किया है। निवासी अद्यक्ष सोनू ने बताया कि बिल्सी नगर में शीघ्र कमेटी का विस्तार कर पार्टी को मजबूत बनाने की दिशा में काम किया जाएगा।



उज्जानी के सौरभ रजावत बने प्रदेश अध्यक्ष

उज्जानी, अमृत विचार : अखेंद आर्यवंत आर्य महासंघ (अखिल भारत हन्दू महासंघ) उत्तर प्रदेश की नवीन कार्यकारिणी में सौरभ रजावत को पुनः प्रशासनी अध्यक्ष परिवर्तित किया गया।



पैसीएस प्रारंभिक परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए थे। 17 परीक्षा केंद्रों पर सभी में 384 और एक केंद्र पर 326 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। परीक्षा केंद्रों को सात जून में बांटा गया था। सुबह हफ्ते पाली साढ़े नौ बजे से खुल दूर्दा। पिसके चलते बहुत से अभ्यर्थी एक दिन पहले आकर होटलों, रेलवे स्टेशन आदि पर रुक गए थे। परीक्षा केंद्र पर पुलिसकर्मियों की मौजूदी में प्रवेश पत्र देकर और तलाशी लेकर ही परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया। सुबह साढ़े 11 बजे परीक्षा समाप्त हुई। पहली पाली में अनुपस्थित रहे। इसके बाद दोपहर दो बजे से साढ़े चार बजे तक दूसरी परीक्षा केंद्र पर मैनीटिंग सेल का निरीक्षण करते डीएम अवीसी राय और एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह।



## 4953 अभ्यर्थियों ने दी पीसीएस परीक्षा, जिला अधिकारी व एसएसपी ने देखी व्यवस्थाएं



## परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थी हुई तलाशी।

## परीक्षा केंद्र के गेट पर चेकिंग से बाहर ही दिया ग्रेवेश

2483 उपस्थित और 4371 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसके बाद दोपहर दो बजे से साढ़े चार बजे तक दूसरी परीक्षा केंद्र के मैनीटिंग सेल का निरीक्षण करते डीएम अवीसी राय और एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह।

• अमृत विचार

पाली हुई। इसमें पंजीकृत 6854 में से 2470 अभ्यर्थी उपस्थित और 4384 अनुपस्थित रहे। डीएम, एसएसपी, एडीएम प्रशासन और एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

## जीएसटीघटी, हर वर्ग को मिला फायदा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं



अमृत विचार : सहसवान में जीएसटी बचत उत्सव के अंतर्गत विधानसभा सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अनसूचित जनजाति आयोग सदस्य उमेश कठेरिया, जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता व अधिकारीन संयोजक अनुज माहेश्वरी ने संबोधित किया।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार का यह कदम व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए राहत लेकर आया है। घटाती जीएसटी दरें जहां मध्यम वर्ग की बचत बढ़ा रही हैं। वहीं उद्योग जगत की भी नई ऊर्जा दे रही है।

जिलाध्यक्ष ने आयोग सदस्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अधिक सुधारों की नई ऊर्जाओं को छुआ है। जीएसटी में की गई रियायतें व्यापारियों

और उपभोक्ताओं दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही हैं। यह सरकार की दूरदर्शी निति का प्रमाण है कि आज छोटे व्यापारी से लेकर उद्योगपति तक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अभियान संयोजक ने कहा मोदी सरकार ने व्यापार को बोझ नहीं, अवसर के रूप में देखा है। जीएसटी बचत उत्सव इसी सोच की परिणाम है, न केवल हमारा स्थानीय बाजार में जमजूत होता है, बल्कि हर छोटे व्यापारी को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलता है।

प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी नई चेतना जगाई है। अनसूचित जनजाति आयोग सदस्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अधिक सुधारों की नई ऊर्जाओं को छुआ है। जीएसटी में की गई रियायतें व्यापारियों

की भावाना है। व्यवेशी अपनाने से न केवल हमारा स्थानीय बाजार में जमजूत होता है, बल्कि किसान भानु प्रतप सिंह ने तहरीर देकर बताया कि गंगा भगत नगल निवासी कुछ लोगों से उनकी पुरानी रंजिंश चल रही है।

सेवानाथ और भुवनेश रात में लोहे की गंड लेकर उनके पास खेल पर पहुंचे थे और उनपर हमला कर दिया। वह गंभीर रूप से घायल हो गए। वह किसी तरह हमलावारों से छूटकर घर गए और परिजनों को जानकारी दी।

मुख्यमंत्री पूर्व राज्यमंत्री रामगवाल ने उत्सव की व्यापकता के साथ घर लौटा

करते हुए बाजार की धमकी दी। उनकी व्यापकता के साथ सेवानाथ और भुवनेश की धमकी दी।

जिलाध्यक्ष ने आयोग सदस्यों को जानकारी दी। उनकी व्यापकता के साथ घर लौटा

करते हुए बाजार की धमकी दी।

कार की टक्कर से बच्चे की जान गई।

बदायूं, अमृत विचार : सहसवान कोतवाली क्षेत्र में रविवार शाम तेज रसपात्र का नई ई-रिक्षा सड़क पर पलट गया। हादसे में ई-रिक्षा सवार तीन साल के बचे की मौत हो गई, जबकि उसके पिता पंगीर रूप से घायल हो गए। गंगा भगत निवासी हरि सिंह के बोझ नहीं देखा गया।

शव लौटाने के लिए बाजार की धमकी दी। उनकी व्यापकता के साथ घर लौटा

करते हुए बाजार की धमकी दी।

बदायूं, अमृत विचार : सहसवान कोतवाली क्षेत्र में रविवार शाम तेज रसपात्र का नई ई-रिक्षा सड़क पर पलट गया। हादसे में ई-रिक्षा सवार तीन साल के बचे की मौत हो गई, जबकि उसके पिता पंगीर रूप से घायल हो गए। गंगा भगत निवासी हरि सिंह के बोझ नहीं देखा गया।

शव लौटाने के लिए बाजार की धमकी दी। उनकी व्यापकता के साथ घर लौटा

करते हुए बाजार की धमकी दी।

बदायूं, अमृत विचार : सहसवान कोतवाली क्षेत्र में रविवार शाम तेज रसपात्र का नई ई-रिक्षा सड़क पर पलट गया। हादसे में ई-रिक्षा सवार तीन साल के बचे की मौत हो गई, जबकि उसके पिता पंगीर रूप से घायल हो गए। गंगा भगत निवासी हरि सिंह के बोझ नहीं देखा गया।

शव लौटाने के लिए बाजार की धमकी दी। उनकी व्यापकता के साथ घर लौटा

करते हुए बाजार की धमकी दी।

बदायूं, अमृत विचार : सहसवान कोतवाली क्षेत्र में रविवार शाम तेज रसपात्र का नई ई-रिक्षा सड़क पर पलट गया। हादसे में ई-रिक्षा सवार तीन साल के बचे की मौत हो गई, जबकि उसके पिता पंगीर रूप से घायल हो गए। गंगा भगत निवासी हरि सिंह के बोझ नहीं देखा गया।

शव लौटाने के लिए बाजार की धमकी दी। उनकी व्यापकता के साथ घर लौटा

करते हुए बाजार की धमकी दी।

बदायूं, अमृत विचार : सहसवान कोतवाली क्षेत्र में रविवार शाम तेज रसपात्र का नई ई-रिक्षा सड़क पर पलट गया। हादसे में ई-रिक्षा सवार तीन साल के बचे की मौत हो गई, जबकि उसके पिता पंगीर रूप से घायल हो गए। गंगा भगत निवासी हरि सिंह के बोझ नहीं देखा गया।

शव लौटाने के लिए बाजार की धमकी दी। उनकी व्यापकता के साथ घर लौटा

करते हुए बाजार की धमकी दी।

बदायूं, अमृत विचार : सहसवान कोतवाली क्षेत्र में रविवार शाम तेज रसपात्र का नई ई-रिक्षा सड़क पर पलट गया। हादसे में ई-रिक्षा सवार तीन साल के बचे की मौत हो गई, जबकि उसके पिता पंगीर रूप से घायल हो गए। गंगा भगत निवासी हरि सिंह के बोझ नहीं देखा गया।

शव लौटाने के लिए बाजार की धमकी दी। उनकी व्यापकता के साथ घर लौटा

करते हुए बाजार की धमकी दी।

बदायूं, अमृत विचार : सहसवान कोतवाली क्षेत्र में रविवार शाम तेज रसपात्र का नई ई-रिक्षा सड़क पर पलट गया। हादसे में ई-रिक्षा सवार तीन साल के बचे की मौत हो गई, जबकि उसके पिता पंगीर रूप से घायल हो गए। गंगा भगत निवासी हरि सिंह के बोझ नहीं देखा गया।

शव लौटाने के लिए बाजार की धमकी दी। उनकी व्यापकता के साथ घर लौटा

करते हुए बाजार की धमकी दी।

बदायूं, अमृत विचार : सहसवान कोतवाली क्षेत्र में रविवार शाम तेज रसपात्र का नई ई-रिक्षा सड़क पर पलट गया। हादसे में ई-रिक्षा सवार तीन स









## उम्मीद की खेती

कृषि प्रधान देश की जीडीपी में सबसे बड़ा योगदान खेती का है, परंतु इसकी हिस्सेदारी घटती जा रही है। ऐसे में मोदी सरकार का काफ़ेक्स कृषि क्षेत्र को आधिकारिक, टिकाऊ और लाभकारी बनाने पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री की कृषि क्षेत्र में की गई व्यापारांदि दीर्घकालिक, दूरदर्शी सोच को दर्शाती है। 'पीएम धन-धन्य कृषि योजना' के साथ दलहन आत्मनिर्भरता मिशन देश के किसानों की स्थिति में साथक बदलाव ला सकती है। फिलहाल किसानी अब भी घटते का सौंदर्य है। देखना यह है कि अगले हजार वर्षों तक चलने वाली ये योजनाएं किसानों में क्या क्रांति लाती हैं। हजार करोड़ रुपय से अधिक की इन योजनाओं ने किसानों में नई उम्मीदें जगाई हैं, क्योंकि ये केवल वित्तीय घोषणाएं नहीं, बल्कि कृषि को पुनः करती की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तर बनाने का प्रयास प्रतीत होती है।

प्रधानमंत्री धन धन्य योजना के अंतर्गत 100 से कम उपज वाले जिलों को लक्षित करना और निर्धारित करना कि राष्ट्रीय औसत उपज से 25 प्रतिशत कम उत्पादन वाले इन जिलों की पैदावार को राष्ट्रीय औसत के बराबर लाया जाए, एक सराहनीय कदम है। वहां के किसानों को बुनियादी हाँचा और वित्तीय सहायता प्रदान कर, फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा देकर, सिंचाई, बंडारण और प्रसंस्करण सुविधाएं उत्पाद्य कराने से जलवायु-सम्मत, पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दिलाए। कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने की यह कोशिश कालान्तर में किसानों की आजीविका और आमदनी दोनों में बढ़ावा करेगी। खेतों के लिए कर्ज देने से किसानों को सुविधा तो मिलती है, पर यह चिंता भी रहती है कि जर्जरस्तान और आत्महत्यां न बढ़ें। केवल कर्ज देना पर्याप्त नहीं, उपर का साथ सुदूर बींच, फसल योजना विस्तरात और विपणन की गारंटी भी आवश्यक है। यदि किसान को यह भरोसा हो कि उसकी फसल का न्यूनतम मूल्य मिलेगा और प्राकृतिक आपदा की स्थिति में सरकार उसके साथ खड़ी होगी, तभी कृषि त्रया विकास का सशक्त साधन बन सकता है।

देश में दालों की खपत बढ़ रही है, लेकिन उत्पादन में स्थायित्व नहीं है। दशकों से दलहन उत्पादन बढ़ाने के प्रयासों के बावजूद यह क्षेत्र धन-गेहूं जैसी गारंटी नहीं पा सका। यदि मिशन के तहत बीज सुधार, न्यूनतम समर्थन मूल्य की विश्वसनीयता और नियंत्रण नीति में विस्तरता लाई गई, तो आत्मनिर्भरता का लक्ष्य अब दूर नहीं रहेगा। इन सरकारी योजनाओं की सफलता इस बात पर निभर करेगी कि खेतों 'मुनाफ़ा का धंधा' बनने की ओर बढ़े। इसके लिए केवल धन वितरण या अवसंरचना निर्यात पर्याप्त नहीं। किसानों को प्रशिक्षण, तकनीकी, जल प्रबंधन और बाजार तक संख्या संयोग पीछे चाहिए। साथ ही ग्रामीण युवाओं को कृषि-आधारित उद्योगों से जोड़ना आवश्यक है, ताकि पलायन रुके और गांवों में रोजगार सुनित हो। इससे उस निरंटव को तोड़ने में सफलता मिलेगी जिसमें कहा जाता है कि सरकार कॉर्पोरेट दबाव में खेतों को धीरे-धीरे खत्म करना चाहती है। योजना अगर नियोजित तरीके से लागू हुई, खेत, बाजार और किसान के बीच भरोसा को पुल बना तो कृषि फिर से अर्थव्यवस्था की आत्मा बना सकती है।

### प्रसंगवाद

## जोहो: मजदूरी से असली IT क्रांति तक का सफर

आईटी सेक्टर के आने पर कहा गया था कि भारत में तकनीकी क्रांति आ गई है, लेकिन सच यह है कि वह ज्यादातर आईटी मजदूरी की क्रांति थी, जहां भारतीय युवा परिचयी कंपनियों के लिए कोडिंग और सोफेट का काम करने लगे। मेहरान हमारी थी, मगर मालिकाना हक किसी और का था। श्रीधर वेंकू ने इस मानसिकता को चुनावी दी। उनको कंपनी जोहो सिर्फ़ एक बिजेन्स मॉडल नहीं, बल्कि यह इस सोच की क्रांति है कि तकनीकी को केंद्र गांव भी बन सकते हैं और प्रतिथा फ्रिया या अंग्रेजी की मोहताज बिल्कुल नहीं।

वेंकू अमेरिका में रहकर कोडों का काम सकते थे, लेकिन उन्होंने ताज लिया कि अगर रोजाना गांव तक नहीं जा रहा, तो हम ही उद्योग गांव तक ले जाएं। जहां वाकी आईटी कंपनियों वड़े शहरों में टॉवर कर्कों और गांवों में दफ्तर खोले। वहां के युवाओं को जोहो ने बिन डिग्री, बिना अंग्रेजी और महंगे कॉलेज के बिना खुद ट्रेनिंग देकर काम दिया। आज जोहो के हजारों कर्मचारी ऐसे गांवों से आते हैं, जिनका आईटी से कोई संबंध पहले नहीं था।

जोहो ने तो वह बड़े दबलाव किए। असली टैलेंट की पहचान की। गांव के युवाओं को सिखाकर इंटरनेशनल प्रोडक्ट बनवाए गए। आउटसोर्सिंग नहीं, अपना प्रोडक्टक्षण

किया जाए। जोहो ने माइक्रोसफ्ट और गूगल जैसी कंपनियों को टक्कर देने वाले सॉफ्टवेयर खुद तैयार किए। गांवों में रोजगार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जाए। इसके लिए शहरों को बोझ से बचाकर विकास को गांवों तक पहुंचाया गया।

जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर भारी टैरिफ़ लगाए, तो दुनिया की टेक कंपनियों में हड्डक पमच गया। सप्लाई चेन से लेकर सर्विस डिलीवरी तक तक नहीं जा रही, अब यह असर पड़ रहा है। कई कंपनियों ने यह गांवों में संचार के लिए बड़ी धूम लगायी है। जोहो ने इस संबंध में अपनी जान देकर बुकाई।

उपेंद्र वौधारी वरिष्ठ पत्रकार



सपने देखने का अधिकार, पहला मौलिक

अधिकार होना चाहिए।

-महाश्वेता देवी, साहित्यकार

## तालिबान-भारत रिश्ता, चीन के लिए झटका



निर्मला सिंह राजनीति वर्षों



प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

टिकाऊ दृष्टि के बावजूद यह बड़ा बदलाव है।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और

ट्रोल के बढ़ते दामों और पर्यावरण संकट को देखते हुए बीते कुछ सालों से भारतीय ऑटो मार्केट में इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की डिमांड बढ़ती जा रही है। ऑटो कंपनियां भी अब स्टाइल से लेकर परफॉर्मेंस और पर्सनलिटी के बहतरीन कॉम्बिनेशन वाले नए-नए मॉडल्स पेश कर रही हैं, जिससे इलेक्ट्रिक स्कूटर्स पर स्विच करने वालों को अब बजट, स्पीड या फीचर्स को लेकर समझौता नहीं करना पड़ रहा है। ऐसे में अगर आप भी इलेक्ट्रिक स्कूटर्स खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो आज हम आपको 2025 के पांच ऐसे स्कूटर्स के फीचर्स के बारे में बताएंगे, जो आपके और आपके पॉकेट के लिए बेस्ट रहेंगे।



## हीरो विडा वी 2 प्रो

हीरो विडा वी 2 प्रो 3.94 के डब्ल्यूएच बैटरी और 6 के डब्ल्यू मोटर से लैस है, जो 25 एनएम का टॉक जेनरेट करता है। हीरो का यह स्कूटर सिंगल चार्ज में 165 किमी रेज ऑफर करता है, जिसकी दौरानी 105 किमी है। इसमें आप घर या ऑफिस कहीं भी आसानी से चार्ज कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें 4 राइड मोड, रिजेनरेटिव ब्रेकिंग और एक बड़ी टीएफटी डिस्प्ले जैसे फीचर्स हैं। इसे आप 1.20 लाख की शुरुआती कीमत पर खरीद सकते हैं। हालांकि जगह के अनुसार कीमत बदल सकती है।



## एथर 450 एस

एथर 450 एस एक स्मार्ट, फीचर-लोडेड और प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटरों में से एक है। इस स्कूटर में कंपनी ने 2.9 के डब्ल्यूएच का बैटरी पैक दिया है, जो एक एफिशिएंट मोटर के साथ आता है। इस मॉडल की मोटर 5.4 के डब्ल्यू बैटरी की पावर और 22 एनएम का टॉक जेनरेट करता है। यह करीब 115 किमी की वलेड रेज और 90 किमी प्रति घंटे की स्पीड देता है। इसकी कीमत कि बात करें तो, इस मॉडल की कीमत वेरिएंट और जगह के हिसाब से अलग-अलग है। इस मॉडल की एक्स-शॉर्लम कीमत 1,20,841 से 1,44,100 लाख रुपये है। इसमें 7-इंच का कलर एलसीडी डिस्प्ले दिया गया है। स्कूटर का डीपव्यू डिस्प्ले रीयल टाइम नेविगेशन, राइड मोड और कनेक्टेड फीचर्स ऑफर करता है।

## टीवीएस ऑरविटर

टीवीएस ऑरविटर एक किफायती और फीचर से लैस इलेक्ट्रिक स्कूटर है, जो एक बार चार्ज करने पर लगभग 115-158 किमी की रेज करता है। साथ ही 3.1 के डब्ल्यूएच बैटरी और मिड-मार्टेड मोटर द्वारा ऑपरेटेड 68 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड देता। फीचर्स की बात करें



तो एक मल्टी-कलर इंस्ट्रुमेंट क्लस्टर के साथ आता है। यह ब्ल्यूटूथ कनेक्टिविटी, हिल-होल्ड असिस्ट, क्रूज कंट्रोल, यूएसबी चार्जिंग, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, थर्प अलर्ट और ऑटोएस अपडेट सहित कई फीचर्स हैं। इसके अलावा यह 3.4 लीटर अंडरसीट स्टोरेज के पेसिस्टी भी ऑफर करता है, जो दो हाफ केस हैलमेंट और ड्युअल राइड मोड को स्टोर करने में सक्षम है। इसकी एक्स-शॉर्लम कीमत 99,000 रुपये है। जगह के अनुसार कीमत में बदलाव हो सकता है।

## बजाज चेतक 3501

बजाज चेतक 3501 की 3.5 के डब्ल्यूएच बैटरी 153 किमी तक चलती है। स्कूटर की टॉप स्पीड 73 किमी प्रति घंटे है। इसमें 35 एल अंडर सीट के पेसिस्टी, एंटी थ्रेस अलर्ट, ऑवरस्पीड अलर्ट, आईपी 67-रेड बैटरी पैक और स्मार्टफोन कनेक्टिविटी जैसे कई फीचर्स हैं। इस स्कूटर की शुरुआती कीमत 1.22 लाख रुपये है। जगह के अनुसार गाड़ी की कीमत में बदलाव हो सकता है।



## कार नहीं दे रही मनचाहा माइलेज अपनाएं ये उपाय

### नियमित सर्विस

आप अगर अपनी कार से अच्छा माइलेज चाहते हैं, तो उसकी सर्विसिंग में लापरवाही न करें। समय पर सर्विस न करने से इंजन अंगूष्ठ खराब हो जाता है और आंगूष्ठ फ्यूल खपत भी ज्यादा होती है। इससे इन पर दबाव बढ़ता है और अंगूष्ठ फ्यूल खपत भी ज्यादा होती है।

समय पर सर्विस करने से इंजन की परफॉर्मेंस बनी रहती है और माइलेज बेहतर होता है।



आज के समय में कार सिर्फ एक जरूरत नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुकी है। भारत में लाखों लोग हर दिन कार से सफर करते हैं, लेकिन अक्सर उनकी शिकायत होती है कि गाड़ी का माइलेज उत्तमी दर से कम मिलता है। अक्सर सर्विस सेंटर जाकर भी कई बार कोई खास सुधार नहीं दियता। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर बिना कोई अतिरिक्त खर्च किए कार का एवरेज कैसे बढ़ाया जा सकता है। आइए आपको बताते हैं कुछ आसान और असरदार टिप्पणी, जिसको अपनाकर आप अपनी कार का माइलेज बढ़ा सकते हैं।



### टायर प्रेशर पर ध्यान दें

कार के टायरों में सही मात्रा में हवा होना माइलेज के लिए बेहद जरूरी है। अगर टायरों में हवा कम है, तो इंजन पर ज्यादा लोड पड़ता है और गाड़ी को चलाने में अधिक फ्यूल लगता है। इसलिए हप्ते में एक बार टायर प्रेशर जरूर चेक करें और कंपनी द्वारा बताई गई सीमा के अनुसार हवा भरवाएं।

बेहतर होगा कि कार को होशा नियंत्रित और नर्मल स्पीड में चलाएं। आमतौर पर 60 से 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार सबसे संतुलित मानी जाती है। इस स्पीड पर इंजन कम पावर लेता है और कार अच्छा एवरेज देती है।

### कंट्रोल स्पीड में चलाएं कार

गाड़ी को बहुत तेज़ चलाना ईंधन की खपत को बढ़ा देता है। बेहतर होगा कि कार को होशा नियंत्रित और नर्मल स्पीड में चलाएं। आमतौर पर 60 से 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार सबसे संतुलित मानी जाती है। इस स्पीड पर इंजन कम पावर लेता है और कार अच्छा एवरेज देती है।

### बदलें छोटी-छोटी आदतें

ड्राइविंग के दौरान अचानक ब्रेक लगाना, ज्यादा एक्सीलरेटर देना या क्लब्रैक को लगाना दबाए रखना। ये सब गलत आदतें हैं, जो माइलेज कम करती हैं। इसके अलावा, अगर कार लंबे समय तक खड़ी है, तो इंजन बंद कर दें। इससे फ्यूल बचेगा और एवरेज में सुधार होगा।



## डैशकैम : सड़क सुरक्षा का स्मार्ट तरीका

भारत में सड़कों पर गाड़ियों की बढ़ती संख्या के साथ ही सड़क हादसों के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे माहाल में कार मालिकों के लिए अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करना पहले से कहीं ज्यादा ज़रूरी हो गया है। यही बजह है कि अब लोग अपनी गाड़ियों में डैशकैम लगवाने की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। यह छोटा सा कैमरा अवस्थिक एक्सेसरी नहीं, बल्कि एक ज़रूरी सुरक्षा उपकरण बन चुका है। डैशकैम न सिर्फ आपकी ड्राइविंग को सुरक्षित बनाता है, बल्कि किसी भी विवाद में आपका मौन गवाह साबित होता है। यह एक बार का निवेश है, जो लंबी अवधि में आपकी सुरक्षा और मानसिक सुकून दोनों सुनिश्चित करता है।

### क्यों ज़रूरी है कार में डैशकैम

डैशकैम एक छोटा डिजिटल कैमरा होता है, जिसे आमतौर पर कार के डैशबोर्ड या विंडशील पर लगाया जाता है। यह ड्राइविंग के दौरान लगातार वीडियो रिकॉर्ड करता है। किसी एक्सीलरेट, ट्रैकिंग विवाद या सड़क पर हुई दुर्घटना की स्थिति में फूटेज महत्वपूर्ण सबूत के तौर पर काम आते हैं। कई देशों में डैशकैम फुटेज को कानूनी साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जाता है और अब भारत में भी इसके उपयोग को लेकर जागरूकता तेजी से बढ़ रही है।

डैशकैम का सबसे बड़ा फायदा यह है कि सड़क संस्करणों में निर्णायक साबित होता है। ड्राइवर को सुलझाने में जिम्मेदारी तय करने में मिलती है।







